SSR - II

इश्क़ में क्या बताएँ

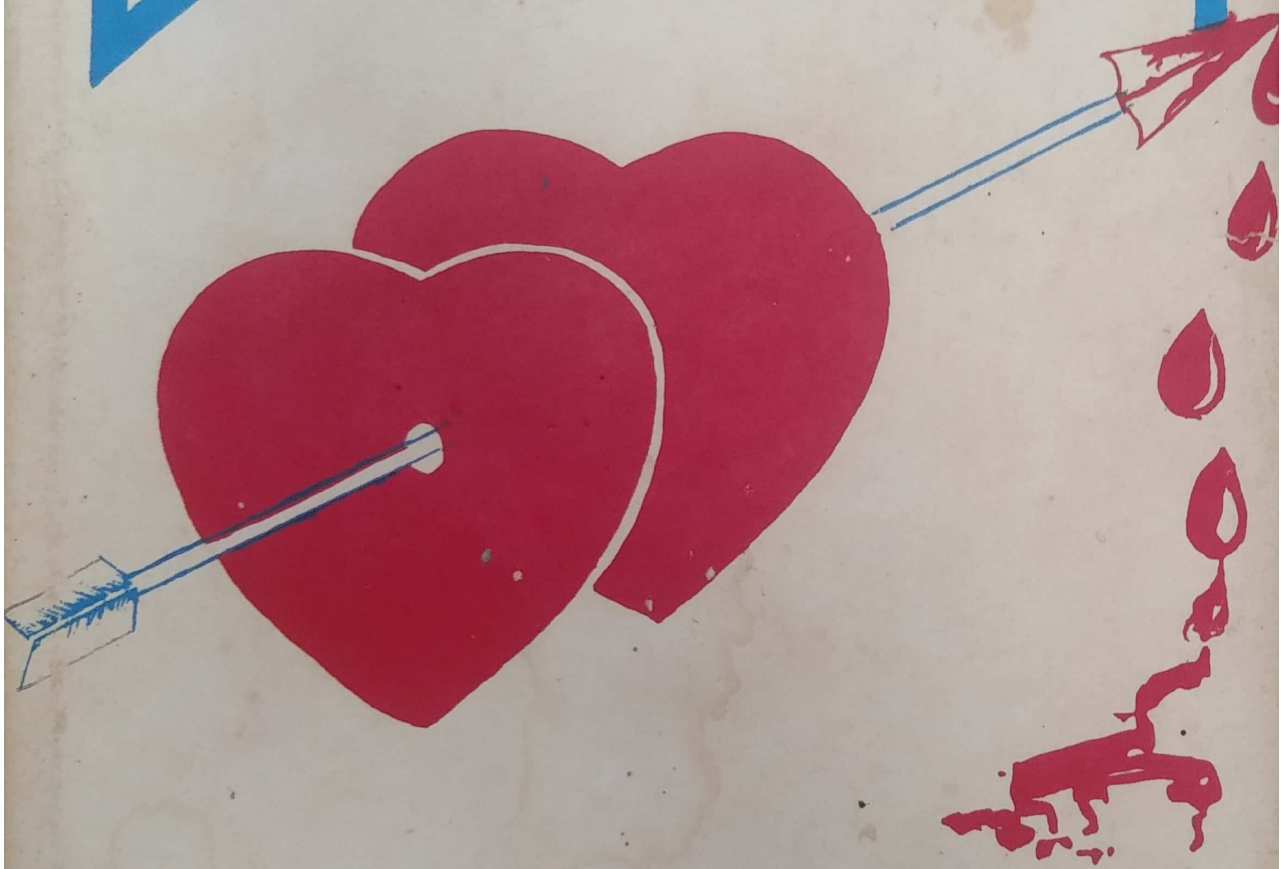

इश्क़ में क्या बताएँ कि दोनों किस क़दर चोट खाये हुये हैं।
मौत ने उनको मारा है और हम ज़िन्दगी के सताये हुये हैं।

अख़लाक़ आगरी

Scanned with OKEN Scanner

अपनी मुंह बोली बेटी

★ दीप्ति ★

★

के नाम

इश्क़ में क्या बताएँ

अख़लाक़ सागरी

Scanned with OKEN Scanner

"रंगीनियाँ" - प्रथम काव्य संकलन प्रकाशित जून 197
"एकता" - द्वितीय काव्य संकलन प्रकाशित जून 198

"इश्क़ में क्या बताएँ"

उर्दू ग़ज़लों का हिन्दी संकलन

- शायर – अख़लाक़ सागरी
- प्रकाशक – एजाज़ अहमद खान
- क्रम बद्धता – अयाज़ अहमद खान "अयाज़"
- तादाद – 1000 प्रतियां
- प्रकाशन वर्ष – अगस्त 1996
- मुद्रक – संत फ्रान्सिस प्रेस, तिलकगंज, सागर म.
- कीमत – 50 रुपये

सर्वाधिकार सुरक्षित

- पता -

अख़लाक़ सागरी
शुक्रवारी हिल्स
सागर म. प्र. 470002
इण्डिया

★

AKHLAQUE SAG
SHUKRAWARI HILLS
SAGAR M.P. 470002
INDIA

Scanned with OKEN Scanner

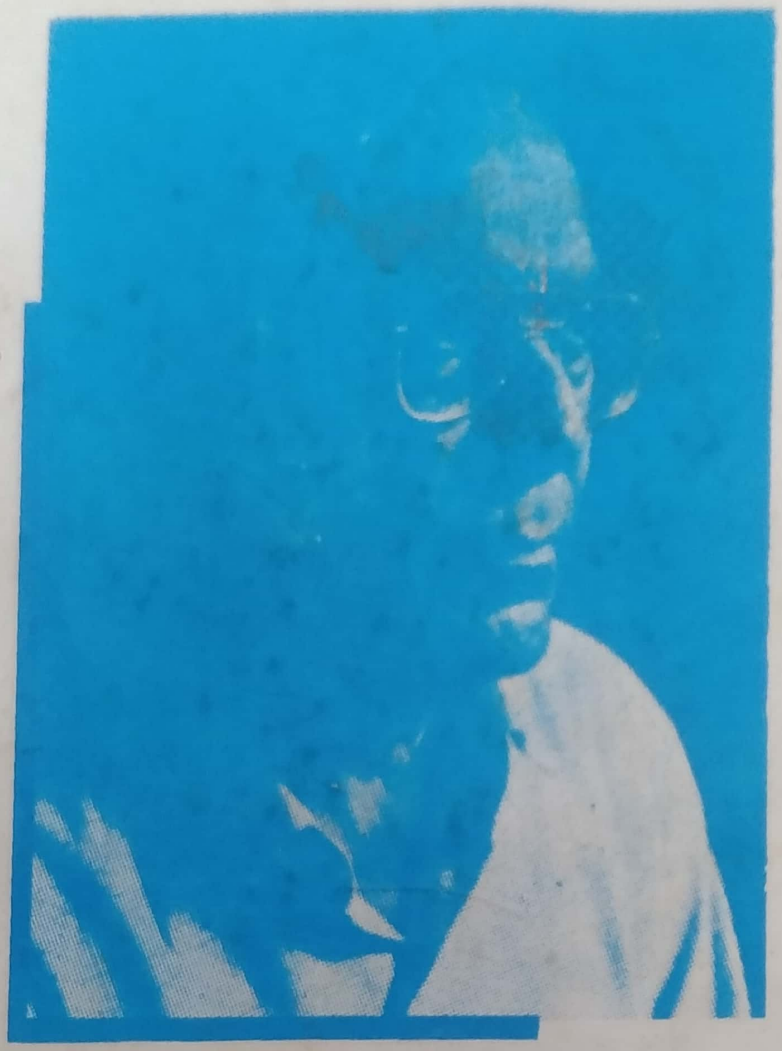

ग़ैरों ने मानता हूँ कि धोका दिया मुझे
अपनों ने कब बताओ सहारा दिया मुझे
इक शाइ'रे नादार था "अख़लाक़" सागरी
माँ बाप की दुआओं ने चमका दिया मुझे

अख़लाक़ सागरी

Scanned with OKEN Scanner